UTILITY उपयोगिता

जब हम विभिन्न आवश्यकताओं की अनुभूति करते हैं तो उनकी संतुष्टि वस्तुओं या सेवाओं के उपभोग से करते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि वस्तु या सेवाओं में कोई विशेष गुण होता है। जिससे हमारी आवश्यकता पूरी होती है वस्तुओं या सेवाओं के इस गुण को उपयोगिता कहते हैं। प्रत्येक वस्तुओं या सेवाओं में अलग-अलग गुण होते हैं। जैसे - मनुष्य की भूख को शांत करने के लिए रोटी खाकर पूरी कर सकते हैं उसी प्रकार बीमार पड़ने पर डॉक्टर की सेवा का उपयोग कर सकते हैं। जब हम किसी कलम से लिखते हैं तो उसमें लिखने की क्षमता होती है। इस प्रकार रोटी, कलम तथा डॉक्टर की सेवा में उपयोगिता है। क्योंकि इनमें हमारी आवश्यकताओं को पूरी करने का गुण होता है। उपयोगिता जिसे हम छू नहीं सकते हैं लेकिन महसूस करते हैं। उपयोगिता और लाभदायकता में अंतर है सामान्यतः हम उन्ही वस्तुओं को उपयोगी समझते हैं जो लाभदायक हो लेकिन जो वस्तुएँ हानिकारक है उन्हे हम उपयोगी नहीं समझते हैं। लेकिन अर्थशास्त्र में केवल वही वस्तुएँ उपयोगी है जिनसे हमें संतुष्टि मिलती है। जैसे - शराब पीना हानिकारक होती है लेकिन जो शराब पीते है उनके लिए शराब की उपयोगिता होगी चाहे वो किसी के लिए हानिकारक हो। उपयोगिता आत्मगत (Subjective) एवं सापेक्ष (Relative) होती है। इसका अर्थ यह है कि उपयोगिता विभिन्न व्यक्तियों के लिए अलग-अलग होती है। उदाहरण के लिए एक विद्यार्थी के लिए कलम की उपयोगिता एक चरवाहे से अधिक होती है।

उपयोगिता आवश्यकता की तीव्रता पर भी निर्भर करता है। जब हमारे लिए किसी वस्तु की आवश्यकता अधिक तीव्र होती है तो उसकी उपयोगिता हमारे लिए अधिक होती है। दूसरी ओर यदि किसी वस्तु के लिए हमारी उपयोगिता की तीव्रता कम हो तो उसकी उपयोगिता भी हमारे लिए कम होगा। उदाहरण के लिए, जब हम भूखे हो तो रोटी की आवश्यकता अधिक होती है। किंतु रोटी को जब हम खाते है तो भूख मिटती जाएगी तो रोटी की आवश्यकता भी घटती जाएगी।

(i) उपयोगिता तथा लाभदायक में अंतर होता है।
(ii) उपयोगिता वस्तुगत न होकर आत्मगत एवं सापेक्ष होती है।
(iii) उपयोगिता किसी भी दो व्यक्तियों के लिए किसी भी चीज का समान नहीं होता।
(iv) आवश्यकता की माप Term or Condition पर की जाती है।

✓ उपयोगिता के प्रकार (Kinds of Utility)
(i) कुल उपयोगिता (Total Utility)
(ii) सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility)
(iii) औसत उपयोगिता (Average Utility)

(i) कुल उपयोगिता (Total Utility):-
उपभोक्ता द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तु की सभी इकाइयों से प्राप्त उपयोगिता के संपूर्ण योग को कुल उपयोगिता कहते है।
कुल उपयोगिता का पता लगाने के लिए उपभोग की जाने वाली वस्तु की सभी इकाइयों से प्राप्त सीमांत उपयोगिता को जोड़ दिया जाता है। उदाहरण के लिए - यदि उपभोक्ता चार रोटियाँ खाता है तो